Tanmay Kr Sing

B.A./6th Sem (G)/SANS/23(CBCS)

2023

6th Semester Examination

SANSKRIT (General)

Paper : GE 2-T

[CBCS]

Full Marks : 60 Time : Three Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

[Sanskrit Meter and Music]

1. अधस्तनेषु यथेच्छं प्रश्नदशकस्य उत्तरं प्रदेयम्। 2×10=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलির মধ্যে যেকোন দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) छन्दः-शब्दस्य व्युत्पत्तिगतार्थः कः ?

ছন্দ: শব্দের ব্যুপত্তিগত কী?

(ख) वेदेषु छन्दसः का उयोगिता ?

বেদে ছন্দের কী উপযোগীতা?

(ग) छन्दःशास्त्रस्य प्राचीनतमः ग्रन्थः कः ? केन रचितः ?

ছন্দঃশাস্ত্রের প্রাচীনতম গ্রন্থ কী? কে রচনা করেছেন?

P.T.O.

(घ) को गङ्गादासः? तस्य रचितग्रन्थस्य नाम किम्?

গঙ্গাদাস কে ছিলেন? তাঁর রচিতগ্রন্থের নাম কী?

(ङ) किं नाम पद्यम्? पद्यं कतिविधम्? कानि च तानि?

পদ্য কাকে বলে? পদ্য কয় প্রকার ও কি কি?

(च) तोटकस्य किं लक्षणम्?

তোটকের লক্ষণ কী?

(छ) किं नाम विषमवृत्तम्? उदाहरणमेकं दीयताम्।

বিষমবৃত্ত কাকে বলে? একটি উদাহরণ দাও।

(ज) कः आसीत् आचार्यः पिङ्गलः?

আচার্য পিঙ্গল কে ছিলেন?

(झ) 'वृत्तरन्ताकरः' केन विरचितः? क्षेमेन्द्ररचितं छन्दःशास्त्रं किम्?

'বৃত্তরত্নাকর' কার লেখা? ক্ষেমেন্দ্ররচিত ছন্দঃশাস্ত্রের নাম কী?

(ञ) पिङ्गलसूत्राणां भाष्यकाराः के? कानि च तेषां भाष्याणि?

পিঙ্গলসূত্রের ভাষ্যকার কারা? তাদের ভাষ্যের নাম কী?

(ट) छन्दःशास्त्रस्य प्राचीनं नाम किम्? छन्दः प्राथम्येन कतिविधम्?

ছন্দঃশাস্ত্রের প্রাচীন নাম কী ছিল? ছন্দঃ প্রথমত: কতপ্রকার?

(ठ) मात्रा का? सा कतिविधा?

মাত্রা কাকে বলে? মাত্রা কয়প্রকার?

(ङ) किं नाम समवृत्तम्? उदाहरणं दीयताम्।

সমবৃত্ত কাকে বলে? উদাহরণ দাও।

(ढ) हरिगीतिका-छन्दसि कति गणाः विद्यन्ते? के च ते?

হরিগীতিকা ছন্দে কয়টি গণ আছে? সেগুলি কী কী?

(ण) विद्युन्माला कीदृशं छन्दः? किं तस्य लक्षणम्?

বিদ্যুন্মালা কি ধরণের ছন্দ:? এর লক্ষণ কী?

2. अधस्तनेषु यथेच्छं प्रश्नचंतुष्टयस्य उत्तरं देयम्। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) मन्दाक्रान्ता छन्दसः सोदाहरणं लक्षणं वैशिष्ट्यानि च उल्लिख्यन्ताम्।

উদাহরণসহ মন্দাক্রান্তা ছন্দের লক্ষণ ও বৈশিষ্ট্য উল্লেখ কর।

(ख) यतिविषये टीका कार्या।

যতিবিষয়ে টীকা লেখ।

(ग) छन्दःशास्त्रानुसारं लघु-गुरुनिर्णयस्य नियमाः लेखनीयाः।

ছন্দ:শাস্ত্রানুসারে লঘু-গুরু নির্ণয়ের নিয়মগুলি লেখ।

(घ) 'क्व वत हरिणकानां जीवितं चातिलोलम्' —

इत्यस्य गणनिर्णयपूर्वकं छन्दो निर्णीयताम्।

'ক্ব বত হরিণকানাং জীবিতং চাতিলোলম্' — শ্লোকাংশটির গণনির্ণয় করে ছন্দ চিহ্নিত কর।

P.T.O.

(ङ) टीका लेख्या — ऋक्प्रातिशाख्यम्।

टीका लेख — ऋक्प्रातिशाख्य।

(च) गायत्री वृहती चेति वैदिकच्छन्दोद्वयं व्याख्यायताम्।

गायत्री ও বৃহতী-বৈদিকছন্দ দুটি ব্যাখ্যা কর।

3. यथेच्छं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

যে কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) संस्कृतच्छन्द:शास्त्रस्य संक्षिप्त: परिचय: प्रदीयताम्।

সংস্কৃত ছন্দ:শাস্ত্রের সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।

(ख) सोदाहरणं वर्णवृत्तं मात्रावृत्तं च आलोचय।

উদাহরণ সহযোগে বর্ণবৃত্ত ও মাত্রাবৃত্ত আলোচনা কর।

(ग) उष्णिक्, त्रिष्टुप्, अनुष्टुप् चेति वैदिकछन्दांसि सोदाहरणमालोचय।

উষ্ণিক্, ত্রিষ্টুপ্ ও অনুষ্টুপ্ — বৈদিকছন্দগুলি উদাহরণ সহ আলোচনা কর।

(घ) मालिनी, वसन्ततिलकञ्चेति लौकिकच्छन्दोद्वयं सविशदं व्याख्येयम्।

মালিনী, বসন্ততিলক — এই লৌকিক ছন্দ দুটি বিশদে ব্যাখ্যা কর।

OR

[Ethical and Moral Issues in Sanskrit Literature]

१. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटके कति अङ्काः सन्ति? कस्मिन् अङ्के दुष्यन्तेन शकुन्तलायाः प्रत्याख्यानं दृश्यते?

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে কয়টি অঙ্ক আছে? কোন অঙ্কে দুষ্যন্ত কর্তৃক শকুন্তলার প্রত্যাখ্যান দেখা যায়?

(ख) भारतस्य जनप्रियेषु त्रियोगान्तकचलच्चित्रेषु चलच्चित्रद्वयस्य नाम लिखतु।

ভারতবর্ষের জনপ্রিয় ট্র্যাজেডিচলচ্চিত্রগুলির মধ্যে দুটি চলচ্চিত্রের নাম লেখ।

(ग) 'नीतिशतकम्' इत्यत्र शतकशब्दः किमर्थं प्रयुक्तः?

'নীতিশতকম্' এর মধ্যে শতক-শব্দ কেন প্রযুক্ত হয়েছে?

(घ) पञ्चपाण्डवाः के? तेषां मातॄणां नामानि लेख्यानि?

পঞ্চপান্ডব কারা? তাদের মায়েদের নাম উল্লেখ কর।

(ङ) 'आत्मन्येवात्मना तुष्टः' — अंशोऽयं कुत्र प्राप्यते अस्य अर्थो वा कः?

'আত্মন্যেবাত্মনা তুষ্টঃ' — অংশটি কোথায় পাওয়া যায়? এর অর্থই বা কী?

P.T.O.

(च) स्मृतिग्रन्थद्वयस्य नाम लिख्यताम्।

দুটি স্মৃতিগ্রন্থের নাম লেখ।

(छ) 'नाट्यशास्त्रम्' केन विरचितम्? एषः कीदृशः ग्रन्थः?

নাট্যশাস্ত্রম্ কার রচনা? এটি কী জীতীয় গ্রন্থ?

(ज) नीतिशतकानुसारं मनुष्यस्य आदर्शगुणाः के?

নীতিশতক অনুযায়ী মানুষের আদর্শ গুণগুলি কী কী?

(झ) अश्वत्थामा कः? स किं कुलं नाशितवान्?

অশ্বত্থামা কে? সে কোন বংশ ধ্বংস করেছিল?

(ञ) महाभारते कति पर्वाणि सन्ति? क्रमानुसारं तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।

মহাভারতে কয়টি পর্ব আছে? ক্রমানুসারে সেই পর্বগুলির নাম লেখ।

(ट) दशरथः कः? तस्य पुत्राणां नामानि कानि?

দশরথ কে? তার পুত্রদের নামগুলি কী?

(ठ) कति उपायाः सन्ति? के च ते?

উপায় কয়প্রকার এবং কী কী?

(ड) गीतायाः उत्सः कः? तस्याः द्वितीयाध्यायस्य नाम किम्?

গীতার উৎস কি? গীতার দ্বিতীয় অধ্যায়ের নাম কী?

(ঢ) आदिकविः कः ? कथं वा स आदिकविः ?

আদিকবি কাকে বলা হয়? কেনই বা তিনি আদিকবি?

(ণ) लोकस्थितिविषये भर्तृहरिणा किमुक्तम् ?

লোকস্থিতি বিষয়ে ভর্তৃহরি কী বলেছেন?

২. चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। 5×4=20

চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) टीका लेख्या — स्वधर्मः।

টীকা লেখ — স্বধর্ম।

(ख) दुष्यन्तः किमर्थं शकुन्तलायाः प्रत्याख्यानं कृतवान् ?

কী কারণে দুষ্যন্ত শকুন্তলাকে প্রত্যাখ্যান করেছিলেন?

(ग) द्रोणाचार्यवधाय युधिस्ठिरस्य छलात्मकं वचनं सङ्गतं न वेति विचार्यताम्।

দ্রোণাচার্যকে বধ করার নিমিত্ত যুধিষ্ঠিরের ছলাত্মক বচন সঙ্গত কিনা তা বিচার কর।

(घ) व्याख्यायताम् —

"जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।
नास्ति येषां यशःकाये जरामरणजं भयम्"।।

ব্যাখ্যা কর —

"জয়ন্তি তে সুকৃতিনো রসসিদ্ধাঃ কবীশ্বরাঃ।
নাস্তি যেষাং যশঃকায়ে জরামরণজং ভয়ম্"।।

P.T.O.

(ङ) द्रौपदीं प्रति दुर्योधनस्य प्रतिहिंसा वर्ण्यताम्?

দ্রৌপদীর প্রতি দুর্যোধনের প্রতিহিংসা বর্ণনা কর।

(च) अलङ्कारशास्त्रानुसारेण नाट्यमण्डपे वर्जनीयविषयाणां वर्णना क्रियताम्।

অলংকার-শাস্ত্রানুযায়ী নাট্যমঞ্চে বর্জনীয় বিষয়গুলির বর্ণনা কর।

३. प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) मनुसंहितानुसारं युद्धस्य नियमा आलोच्यन्ताम्।

মনুসংহিতা অনুযায়ী যুদ্ধের নিয়মগুলি আলোচনা কর।

(ख) सीताप्रत्याख्यानमुल्लिख्य राज्ञः रामचन्द्रस्य प्रजानुरञ्जकतायाः परिचयो दीयताम्।

রামচন্দ্রের প্রজানুরঞ্জকতার পরিচয় দাও।

(ग) संक्षेपेण स्त्रीपर्व अवलम्ब्य महाभारतस्य युद्धवर्णना क्रियताम्।

স্ত্রীপর্ব অবলম্বন করে সংক্ষেপে মহাভারতের যুদ্ধের বর্ণনা কর।

(घ) द्रौपदी नारी-सशक्तिकरणस्य प्रतीकभूता अस्तीति स्वमतं प्रकटयतु।

দ্রৌপদী নারী-সশক্তিকরণের প্রতীক — এই বিষয়ে স্বমত প্রকট কর।

OR

[Basic of Sanskrit Linguistics]

1. अधोलिखितेषु सुरगिरा देवनागर्या च पूर्णवाक्येन दश प्रश्नाः समाधेयाः। 2×10=20

সংস্কৃতভাষায় দেবনাগরীলিপিতে যে কোন দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) का भाषायाः व्युत्पत्तिः?

ভাষার ব্যুৎপত্তি কি?

(ख) भाषायाः मुख्यं स्वरूपं किम्?

ভাষার মুখ্য স্বরূপ কী?

(ग) भाषाविज्ञानस्य प्रमुखभेदाः के?

ভাষাবিজ্ঞানের মূলভেদগুলি কী কী?

(घ) वाक्यविज्ञानम् किम्?

বাক্যবিজ্ঞান কী?

(ङ) ध्वनिविज्ञानस्य काः मुख्यशाखाः सन्ति?

ধ্বনিবিজ্ঞানের মুখ্যশাখা কী কী?

(च) ध्वनिविज्ञानं किम्?

ধ্বনিবিজ্ঞান কী?

P.T.O.

(छ) प्रयन्तः कतिविधः ?

প্রযন্ত কয়প্রকার?

(ज) भाषाविज्ञानदृष्या पदस्य किं लक्षणम् ?

ভাষাবিজ্ঞান পদের লক্ষণ কী?

(झ) आकाङ्क्षा का ?

আকাঙ্ক্ষা কী?

(ञ) काकलं किम् ?

কাকল কী?

(ट) के उष्माणः ?

উষ্মবর্ণগুলি কী কী?

(ठ) वर्णविपर्यय कः ?

বর্ণবিপর্যয় কী?

(ड) प्रातिपदिकं कतिविधम् ?

প্রাতিপদিক কয়প্রকার?

(ढ) वर्णनात्मकं भाषाविज्ञानं किम् ?

বর্ণনাত্মক ভাষাবিজ্ঞান কী?

(ण) के अल्पप्राणाः ?

অল্পপ্রাণবর্ণগুলি কী কী?

2. अधोलिखितेषु चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः। एकस्य प्रश्नस्योत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च देयम्। 5×4=20

যেকোন **চারটি** প্রশ্নের উত্তর দাও। **একটি** প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃতভাষায় ও দেবনাগরী লিপতে প্রদেয়।

(क) भाषायाः उत्पत्तिविषये भाषाविज्ञानिनां कः सिद्धान्तः? अस्मिन् विषये कः नियमः?

ভাষার উৎপত্তিবিষয়ে ভাষাবিজ্ঞানিদের কী সিদ্ধান্ত? তার নিয়মটা কী?

(ख) भाषाविज्ञानस्य स्वरूपं किम्?

ভাষাবিজ্ঞানের স্বরূপ কী?

(ग) तालव्यनियमः कः?

তালব্যনিয়ম কী?

(घ) संवहनात्मकं ध्वनिविज्ञानं किम्?

সংবহনাত্মকং ধ্বনিবিজ্ঞান কী?

(ङ) पदस्य लक्षणं स्वरूपं च वर्णयत।

পদের লক্ষণ ও স্বরূপ বর্ণনা করো।

(च) वाक्यस्य मुख्यावयवौ कौ?

বাক্যের মুখ্যবয়বগুলো লেখো।

P.T.O.

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

প্রশ্নদুটির উত্তর দাও।

(क) भाषायाः व्युत्पत्तिं प्रतिपाद्य लक्षणं स्वरूपं च निरूपयत्।

ভাষার ব্যুৎপত্তি, লক্ষণ ও স্বরূপ আলোচনা করো।

(ख) ध्वनिविज्ञानस्य किं स्वरूपम्? तस्य नामकरणं शाखोपशाखाश्च आलोचयत।

ধ্বনিবিজ্ঞানের স্বরূপ লেখো। তার নামকরণ এবং শাখাপ্রশাখা আলোচনা করো।

(ग) कस्तावत् ग्रिम-नियमः अलोच्यताम्।

গ্রিম্ ল আলোচনা করো।

(घ) अपश्रुतिः का इति सविशदम् आलोचयत्।

অপশ্রুতি বিষয়ে সবিস্তার আলোচনা করো।